पाठ - 5
मिस्र में से बाहर जाने में
मूसा इस्राएल की अगुआई करता है

I पाठ-संबंधी विचार

1. उत्पत्ति 46:1-7- इस्राएल अपने परिवार को मिस्र में ले गया।
2. उत्पत्ति 47:11,27- इस्राएली बढ़े और बहुत अधिक फैल गए।
3. निर्गमन 1:7-22- मिस्र के लोग इस्राएलियों से डरने लगे और उन्होंने उन्हें गुलाम बना लिया।
4. निर्गमन 2:23-25- परमेश्वर ने इस्राएलियों की दुहाई सुनी।
5. निर्गमन 3:7-10- परमेश्वर ने अपने लोगों को गुलामी से छुड़ाने की योजना बनाई।

II विषय-वस्तु:

परमेश्वर ने अपने लोगों की पुकार सुनी और उन्हें गुलामी से आज़ाद करने की योजना बनाई। उसने जिन देवताओं की मिस्री लोग पूजा करते थे उन्हें अपनी शक्ति दिखाने के लिए मिस्र पर दस विपत्तियां भेजीं। उसने मिस्रियों की सेना को लाल सागर में तबाह करके और इस्राएलियों को मिस्र से निकालकर अपने परमेश्वर होने का प्रकटावा किया। परमेश्वर का इस्रालियों को मिस्र की गुलामी में से निकालना और यीशु मसीह में विश्वास के द्वारा हमें पाप से बचाना, दोनों बातें आपस में मिलती-जुलती हैं।

1. **इस्राएली बढ़े और मिसर में फैल गए:**
   क) परमेश्वर की प्रतिज्ञा के अनुसार- उत्पत्ति 46:3; 50:20.
   ख) धरती उनसे भर गई- निर्गमन 1:7.
2. **मिस्र में इस्राएलियों की शक्ति का भय छा गया:**
   क) उन्होंने इस्राएलियों को गुलाम बना लिया- निर्गमन 1:9-14.
   ख) उन्होंने इस्राएल के सभी नर बच्चों की हत्या करने की आज्ञा दी- निर्गमन 1:15-22.
3. **मूसा का जन्म हुआ और वह मृत्यु से बचाया गया:**
   क) मूसा को फ़िरौन की बेटी ने गोद ले लिया- निर्गमन 2:1-10.
   ख) मूसा ने अपने लोगों के साथ कष्ट झेलना स्वीकार किया- निर्गमन 2:11-15.
4. **परमेश्वर ने मूसा को चुना कि वह इस्राएलियों की आज़ादी में अगुआई करे:**
   क) परमेश्वर मूसा पर प्रकट हुआ और उस पर अपनी योजना ज़ाहिर की- निर्गमन 3:1-14.
   ख) परमेश्वर ने अपनी शक्ति दिखाई और मूसा को मनाया- निर्गमन 4:1-17.
5. **परमेश्वर ने इस्राएलियों को गुलामी में से निकाला:**
   क) मूसा ने फिरौन से कहा कि वह इस्राएलियों को जंगल में जाने दे- निर्गमन 5:1-3.
   ख) फिरौन ने इन्कार कर दिया और इस्राएल पर बोझ बढ़ा दिया- निर्गमन 5:4-20,21.
   ग) परमेश्वर ने मिस्र पर दस विपत्तियां लाकर अपनी शक्ति दिखाई- निर्गमन 7:14-11:10.
   घ) इस्राएलियों ने मिस्र को छोड़ने से एक रात पूर्व फसह मनाया- निर्गमन 12:1-20.
   ङ) मिस्र की शक्ति लाल सागर में नष्ट हो गई- निर्गमन 14:13-31.

III व्यावहारिक प्रासंगिकताएं:

1. यीशु हमारा फसह का मेम्ना है, और हम उसी के द्वारा बचाए जाते हैं- 1 कुरिन्थियों 5:7-8; इब्रानियों 10:8-18; 1 पतरस 1:18-25.
2. मूसा ने परमेश्वर के लोगों के साथ कष्ट झेलना प्रिय जाना- इब्रानियों 11:24-29.
3. इस्राएल का बादल के नीचे समुद्र में बपतिस्मा, यीशु के पीछे चलकर उसके सुसमाचार की आज्ञा मानकर पाप में से निकलने की तरह ही है- 1 कुरिन्थियों 10:1-13; इब्रानियों 5:9; 10:19-39.

IV याद करने के लिए आयत

इब्रानियों 11:24-26, ''विश्वास ही से मूसा ने सयाना होकर फिरौन की बेटी का पुत्र कहलाने से इन्कार किया। इसलिए कि उसे पाप में थोड़े दिन के सुख भोगने से परमेश्वर के लोगों के साथ दुख भोगना और उत्तम लगा। और मसीह के कारण निन्दित होने को मिसर के भण्डार से बड़ा धन समझा: क्योंकि उस की आंखें फल पाने की ओर लगी थीं। ''